डॉ. रविकांत सरल

आचार्य शिक्षाशास्त्र, एक मर्मज्ञ विद्वान एवं प्रख्यात शिक्षक है। डॉ. रविकांत सरल वर्तमान में प्राचार्य, जे. डी. कॉलेज, सिसौली (मेरठ) के पद पर कार्यरत हैं। बहुआयामी शैक्षणिक योग्यताओं से सम्पन्न—एम.ए., एम.कॉम., एम.एड. (सामान्य एवं विशेष), एम.फिल. तथा पी-एच.डी. (शिक्षाशास्त्र)—आपने शिक्षा के क्षेत्र में गहन शोध कार्य कर अकादमिक जगत में विशिष्ट स्थान अर्जित किया है।

अब तक 18 शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं, साथ ही आपने एक पुस्तक Life Skill Education for teachers का लेखन कर शिक्षा जगत को समृद्ध किया है।

डॉ. सरल एक लेखक के साथ ही "सलौनी दिव्या" (बाल पत्रिका) तथा "द कैप कोमोरिन स्कॉलर व्यू" (शोध पत्रिका) के संपादक के रूप में भी अपनी साहित्यिक एवं शैक्षणिक दक्षता का परिचय दे रहे हैं। आपका समर्पित शैक्षणिक दृष्टिकोण, शोधशील प्रवृत्ति एवं सृजनात्मक योगदान शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में प्रेरणा के स्रोत हैं।

डॉ. विनोद कुमार यादव

शोभित विश्वविद्यालय, गंगोह (सहारनपुर, उत्तर प्रदेश) में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत, डॉ. विनोद कुमार यादव शिक्षा-जगत के एक कुशल मार्गदर्शक एवं शोधपरक व्यक्तित्व हैं।

आपकी शैक्षिक पृष्ठभूमि बहुमुखी है—बी.ए., बी.एड. एवं एम.ए. (अंग्रेज़ी, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र एवं हिन्दी)—साथ ही आपने नेट एवं पी-एच.डी. (शिक्षाशास्त्र) की उपाधि प्राप्त कर विद्वत्ता का उज्ज्वल उदाहरण प्रस्तुत किया है।

आपके शोध कार्यों की महत्ता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि आपके अनेक शोध-पत्र राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त आपने एक शोध पुस्तिका का प्रकाशन कर शिक्षा जगत को नई दिशा प्रदान की है।

पिछले 15 वर्षों से शैक्षणिक सेवा में संलग्न रहते हुए आपने अपने अध्यापन, शोध और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों एवं सहकर्मियों को निरंतर प्रेरित किया है। आपकी विद्वता, गहन शोध दृष्टि एवं शैक्षणिक समर्पण शिक्षा-जगत की अमूल्य धरोहर है।

Evincepub Publishing

ISBN 978-93-7335-618-1

9 789373 356181

शिक्षा एवं अध्यापक प्रशिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता

डॉ. रविकांत सरल, डॉ. विनोद कुमार यादव

शिक्षा एवं अध्यापक प्रशिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता

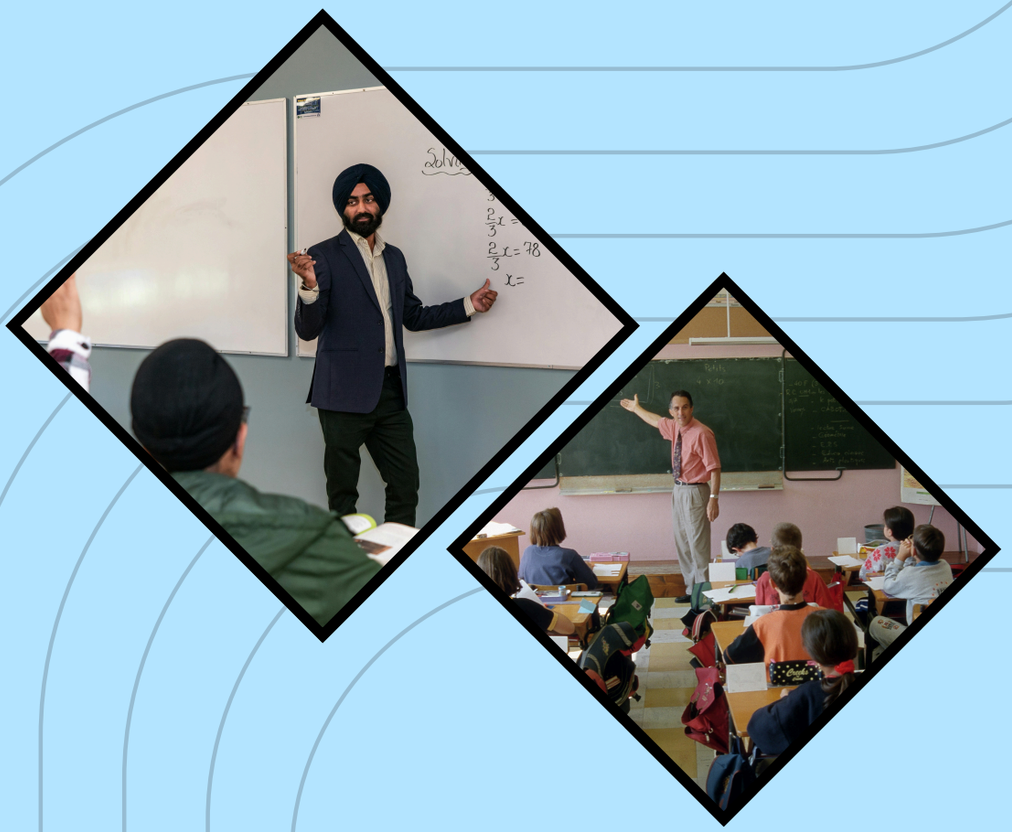

डॉ. रविकांत सरल
डॉ. विनोद कुमार यादव